बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) से संबद्ध

समस्त स्नातकोत्तर (शासकीय एवं अशासकीय) महाविद्यालयों में

सत्र् 2016-17 से लागू सेमेस्टर पद्धति के अनुसार

नियमित छात्रों के लिए

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए.(मास्टर ऑफ आर्ट्स)

विषय - हिन्दी साहित्य

बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

पुराना हाईकोर्ट भवन, गांधी चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495001,

फोन : 07752–220031, 220032, 220033 फैक्स 07752–260294,

ई–मेल : bilaspur.university2012@gmail.com,

वेबसाईट : www.bilaspuruniversity.ac.in

बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर
सत्र 2016–17 एम.ए.हिन्दी अंक विभाजन सेमेस्टर प्रणाली

प्रथम सेमेस्टर
अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
प्रथम : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	80	20	100
द्वितीय : प्राचीन काव्य	80	20	100
तृतीय : आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक एवं निबन्ध)	80	20	100
चतुर्थ : भाषा विज्ञान	80	20	100
			कुल - 400

द्वितीय सेमेस्टर
अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
पंचम : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	80	20	100
षष्ठ : मध्यकालीन काव्य	80	20	100
सप्तम : आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	80	20	100
अष्टमः हिन्दी भाषा	80	20	100
			कुल - 400

तृतीय सेमेस्टर
अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
प्रथम : भारतीय काव्यशास्त्र	80	20	100
द्वितीय : प्राचीन काव्य	80	20	100
तृतीय : प्रयोजन मूलक हिन्दी	80	20	100
चतुर्थ : भारतीय साहित्य	80	20	100
			कुल - 400

चतुर्थ सेमेस्टर
अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
पंचम : पाश्चात्य काव्यशास्त्र	80	20	100
षष्ठ : छायावादोत्तर काव्य	80	20	100
सप्तम : पत्रकारिता प्रशिक्षण	80	20	100
अष्टम : लोक साहित्य, छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य	80	20	100
			कुल - 400

टीपः– प्रश्न पत्र में 20 अंको के आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत दो आंतरिक मूल्यांकन का आयोजन अनिवार्य होगा एवं इसका मूल्यांकन विभाग के शिक्षकों के द्वारा किया जावेगा तथा प्राप्तांक विश्वविद्यालय को प्रेषित किया जावेगा।

एम.ए. (हिन्दी) अनिवार्य प्रश्न पत्र– प्रथम

प्रथम सेमेस्टर — अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

प्रस्तावना– किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप यहां के साहित्य में परिलक्षित होता है। समाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, फलतः साहित्यिक रूपों में भी बदलाव आ जाता है। इस बदली हुई विकास प्रकिया को साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही देखा–परखा जा सकता है। हिन्दी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूंज हिन्दी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं –नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ सहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा–शैलियों का ज्ञान हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक एवं समीचीन है।

पाठ्य विषयः–

इकाई–01:–इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ, हिन्दी साहित्य का इतिहास, काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण की समस्याएँ।

इकाई–02:– हिन्दी सहित्य–आदिकाल की पृष्ठभूमि, वीरगाथाकाल तथा सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो कात्य, जैन साहित्य, साहित्यिक प्रवृत्तियॉ, काव्य धाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई–3 : पूर्व मध्यकाल(भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन तथा विभिन्न काव्य धाराएँ और उनकी प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवि की रचनाएँ, सूफी काव्य परम्परा, प्रवृत्तियाँ प्रमुख कवि तथा रचनाएँ।

इकाई–4:– उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल–सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति, एवं लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीति बद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई–5:– लघुउत्तरीय प्रश्न पत्र एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से कियो जायेगो।

इकाई विभाजन		**अंक विभाजन**
इकाई 01– आलोचनात्मक प्रश्न	01	16x1 = 16
इकाई 02– आलोचनात्मक प्रश्न	01	16x1 = 16
इकाई 03– आलोचनात्मक प्रश्न	01	16x1 = 16
इकाई 04– आलोचनात्मक प्रश्न	01	16x1 = 16
इकाई 05– लघुउत्तरीय प्रश्न (दो)		4x2 = 08
अतिलघुउत्तरीय / वस्तुनिष्ठ		8x1= 08
		योग = 80
		आंतरिक अंक= 20

सहायक पुस्तकेंः–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह
6. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – – नामवर सिंह
7. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – डॉ0 नंद दुलारे बाजपेयी

① [signature]
② [signature]
③ [signature]
④

एम.ए. (हिन्दी) अनिवार्य प्रश्न पत्र– द्वितीय

प्रथम सेमेस्टर — अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्राचीन काव्य

प्रस्तावना– हिन्दी के आदिकालीन काव्य अपनी पृष्ठभूमि में अपभ्रंश के अवदान को पूरी तरह समेटे हुए है। प्रबंध, कड़वकबद्ध मुक्तक आदि काव्यरूपों में रचित और अपभ्रंश, अवहट्ट एवं देशी भाषा में अभिव्यंजित आदिकालीन साहित्य का परवर्ती कालों को प्रभावित करने में सक्रिय एवं सक्षम भूमिका रही है। इसके अध्ययन के बिना किसी भी काल का वास्तविक मूल्यांकन संभव नहीं है। पूर्वमध्यकालीन (भक्तिकालीन) काव्य लोक–जागरण और लोकमंगल का नवीन स्वर लेकर आया। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखा है।

इस प्रश्न पत्र में 03 कवियों का अध्ययन अपेक्षित है। उनकी कालजयी कृति का उल्लेख यहां कर दिया गया है। द्रुतपाठ के रूप में अध्ययन के लिए 05 कवि चयनित है। उनमें से लघुउत्तरी प्रश्न किये जाऐंगें।

पाठ्य विषयः–

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित 03 कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

इकाई 01:– **विद्यापति– व्याख्या**– विद्यापति पदावली, से संपा– रामवृक्ष बेनीपुरी, प्रारंभिक 20 पद

आलोचना– व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भक्ति भावना, श्रृगांर वर्णन, प्रकृति चित्रण, सौन्दर्य चित्रण, गीति पद्धति, काव्य कला, अंलकार योजना, भाषा, संस्कृत साहित्य का प्रभाव।

इकाई 02:– कबीर–व्याख्या–कबीर ग्रंथावली, संपा.– डॉ0 श्यामसुन्दर दास 80 साखियॉ तथा 20 पद

निर्धारित साखियॉ एवं पद– गुरूदेव कौ अंक– 01 से 20, सुमिरण का का अंग–1 से 10, विरह का अंक–1 से 10, गयान विरह कौ अंग–1 से 10, परचा कौ अंग–1 से 10, रस को अंग–1 से 10, निहकर्मी पतिव्रता को अंग–1 से 10 तक

पद संख्या– 11, 16, 23 ,24, 27, 33, 40, 43, 49, 51, 64, 70, 72, 74, 89, 92, 95, 98, 103, 108 (20 पद)

आलोचना– व्यक्तित्व एवं कृतित्व, धार्मिक विचार, सामाजिक विचार, प्रेमतत्व, विरह भावना, रहस्यवाद, दार्शनिकता, प्रासंगिकता, उलटवासिया और प्रतीक पद्धति, काव्यकला, अंलकार योजना, भाषा।

कबीर ग्रंथावली–सम्पा0 डॉ0 श्यामसुन्दर दास(100 साखियॉ तथा 25 पद)

<u>इकाई 03:–</u> **व्याख्या**– जायसी"संक्षिप्त– पद्मावत" संपादक– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागमती वियोग खण्ड, नखशिख वर्णन।

आलोचना– व्यक्तित्व एवं कृतित्व, पद्मावत में प्रेमभाव, सौन्दर्य वर्णन, विरह वर्णन, रहस्यभावना एवं दर्शन, प्रकृति चित्रण, चरित्र चित्रण, महाकाव्यत्व, लोकतत्व, काव्यकला, भाषा, अंलकार योजना।

<u>इकाई 04:</u>– निम्नांकित पांच कवियों का संक्षिप्त अध्ययन किया जाना है।
1– अमीर खुसरो 2– रसखान 3– मीरा बाई 4– रैदास 5– रहीम

<u>इकाई–05:</u>–वस्तुनिष्ठ/अतिलघुउत्तरीय प्रश्न– सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किए जायेंगें।

इकाई विभाजन		अंक विभाजन
इकाई 01–	विद्यापति व्याख्या	08
	विद्यापति आलोचना	08
इकाई 02–	कबीर व्याख्या	08
	कबीर आलोचना	08
इकाई 03–	जायसी व्याख्या	08
	जायसी आलोचना	08
इकाई 04–	लघुत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 100–150)(चार प्रश्न)	4X4 = 16
इकाई 05–	वस्तुनिष्ठ / लघुउत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से (सोलह)	16X1 = 16
	योग	= 80
	आंतरिक मूल्याकंन	= 20

सहायक पुस्तकें–

1.कबीर और आधुनिक हिन्दी काव्य– डॉ0 ललिता राठोड, समता प्रकाशन।

2. कबीर की विचारधारा– गोविंद त्रिगुणायत।

3.विद्यापति व्यक्तित्व और कृतित्व – डॉ0 रामसजन पाण्डेय, समता प्रकाशन।

4.भक्ति आंदोलन और मध्यकालीन हिन्दी भक्ति काव्य– डॉ0 सुरेशचन्द्र।

5.जायसी और कबीर – सामाजिक संस्कृति के सन्दर्भ में– डॉ0 डी0आर0राहुल

6.जायसी – विजय देवनारायण साही।

① [illegible]

② [illegible]

③ [illegible]

④

एम.ए. (हिन्दी) अनिवार्य प्रश्न पत्र– तृतीय

प्रथम सेमेस्टर

अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

आधुनिक गद्य साहित्य(नाटक एवं निबंध)

प्रस्तावना–आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव–मन और मसितष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य का राग–विराग, तर्क–वितर्क तथा चिंतन–मनन पूर्ण रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होता है। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस बात की पुष्टि करता है। नाटक, निबंध तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है। आज मनुष्य का उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन को विकास–प्रक्रिया के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है।

इस प्रश्न पत्र में 02 नाटक 07 निबंध पठनीय है।

पाठ्य विषयः–

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निर्धारित–

नाटक–

इकाई 01– व्याख्या चन्द्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद)
समीक्षा– जयशंकर प्रसाद व्यक्तित्व एवं कृतित्व, नाटक के तत्वो के के आधार पर चन्द्रगुप्त नाटक की समीक्षा।

इकाई 02– व्याख्या–आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश)
समीक्षा–मोहन राकेश व्यक्तित्व एवं कृतित्व, नाटक के तत्वों के आधार पर आषाढ़ का एक दिन की समीक्षा।

इकाई–03– निबंध

1.आ. महावीर प्रसाद द्विवेदी – साहित्य की महत्ता।
2.आ. रामचन्द्र शुक्ल – करूणा।
3.आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी – भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति।
4.विद्यानिवास मिश्र – चंद्रमा मनसो जातः।
5.हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव।

इकाई–04–निम्नांकित नाटक एवं निबंधकार का संक्षिप्त अध्ययन होना है–

01 **नाटककार**–

1– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2– डॉ0 रामकुमार वर्मा
3– लक्ष्मीनारायण लाल
4– धर्मवीर भारती
5– जगदीशचन्द्र माथुर

02 **निबंधकार**–

1– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2– प्रतापनारायण मिश्र
3– बाबू श्यामसुन्दर दास
4– सरदार पूर्ण सिंह
5– डॉ0 नगेन्द्र

इकाई विभाजन	अंक विभाजन
इकाई 01– चन्द्रगुप्त व्याख्या	08
चन्द्रगुप्त समीक्षा	08
इकाई 02– आषाढ़ का एक दिन व्याख्या	08
आषाढ़ का एक दिन समीक्षा	08
इकाई 03 निर्धारित निबंधो से व्याख्या	08
निर्धारित निबंधो से समीक्षा	08
इकाई 04– लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 100–150) चार	4x4 = 16
इकाई 05– वस्तुनिष्ठ / लघुउत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से (सोलह)	16x1 = 16
योग	= 80
आंतरिक मूल्यांकन	= 20

<u>सहायक पुस्तकें–</u>

1.हिन्दी नाटक विमर्श – डॉ0 देवीदास इंगले

2.हिन्दी नाटक साहित्य और लक्ष्मीनारायण लाल– डॉ0 भीमप्पं एल.गुंडूर

3.साठोत्तरी हिन्दी नाटकों में युग चेतना – डॉ0 विजया गाड़वे

4.मोहन राकेश और उनके नाटक–गिरीश रस्तोगी

5.प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

6.निबन्ध प्रभा – डॉ0 श्रीमती शीलप्रभा मिश्रा

7.साठोत्तर हिन्दी नाटकों की सामाजिक चेतना – डॉ0 श्रीमती जयश्री शुक्ल

8.रचना का नया परिदृश्य – डॉ0 श्रीमती जयश्री शुक्ल

(1) शीलप्रभा मिश्रा

(2) जयश्री शुक्ल

(3)

(4)

<u>एम.ए. (हिन्दी) अनिवार्य प्रश्न पत्र– चतुर्थ</u>

<u>प्रथम सेमेस्टर</u> अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

भाषा विज्ञान

<u>प्रस्तावना</u>–साहित्य आद्यंत एक भषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषाविज्ञान की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाइयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर उनके अंतर्संबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा–विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है।

<u>पाठ्य विषय–</u>

इकाई–01. **<u>भाषा और भाषा विज्ञान</u>** –भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक–प्रकार्य। भाषा विज्ञान स्वरूप एव व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएं–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई–02. **<u>स्वन प्रक्रिया–</u>** स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएं, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।

इकाई–03.<u>**व्याकरण–**</u> रूप प्रकिया का स्वरूप और शाखाएं, रूपिम की अवधारणा और भेद मुक्त–आबध्य, अर्थ दर्शी और संबंध दर्शी, रूपिम के भेद और प्रकार्य। वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण, गहन–संरचना और बाह्य संरचना।

इकाई–04. **अर्थ विज्ञान–** अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ परिवर्तन।
साहित्य और भाषा विज्ञान– साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

इकाई–05. **लघुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किया जायेगा।**

अंक विभाजन

आलोचनात्मक प्रश्न (इकाई एक,दो,तीन,चार से एक–एक प्रश्न)	4x16 = 64 अंक
लघुउत्तरीय (दो)	4x2 = 08 अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न(आठ) (इकाई पॉच से)	8x1 = 08 अंक
	योग– 80 अंक
	आंतरिक–20 अंक

सहायक पुस्तकें–

1.भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी

2.हिन्दी विज्ञान – देवेन्द्रनाथ शर्मा

3.भाषा विज्ञान एवं भाषा विचार – डॉ0 पोतदार, डॉ0 खराटे

4.भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – बी0डी0 शर्मा

5.सामान्य भाषा विज्ञान – बाबू राम सक्सेना

① शशिप्रभा मिश्रा
②
③
④

एम.ए. (हिन्दी) अनिवार्य प्रश्न पत्र– पंचम

द्वितीय सेमेस्टर — अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

हिन्दी साहित्य का इतिहास– आधुनिक काल

प्रस्तावना–किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप यहां के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, फलतः साहित्यिक रूपों में भी बदलाव आ जाता है। इस बदली हुई विकास प्रकिया को साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही देखा–परखा जा सकता है। हिन्दी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूंज हिन्दी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं–नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा–शैलियों का ज्ञान हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक एवं समीचीन है।

पाठ्य विषय–

इकाई–01 –1.आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि सन् 1856 ई. की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
2.भारतेंदु युग–प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।
3.द्विवेदी युग–प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई–02 –1.हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास, छायावादी काव्य प्रमुख साहित्यकार रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।
2.उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियां– प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता। प्रमुख साहित्यकार, और साहित्यिक विशेषताएं।

इकाई–03–1.हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं–कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी निबंध का विकास।

इकाई–04–हिन्दी की अन्य गद्य विधायें– रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज का विकासात्मक अध्ययन।

इकाई–05. लघुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से। पूछे जायेंगे

इकाई विभाजन **अंक विभाजन**

इकाई 01–	आलोचनात्मक प्रश्न	01	16x1 = 16
इकाई 02–	आलोचनात्मक प्रश्न	01	16x1 = 16
इकाई 03–	आलोचनात्मक प्रश्न	01	16x1 = 16
इकाई 04–	आलोचनात्मक प्रश्न	01	16x1 = 16
इकाई 05–	लघुउत्तरीय प्रश्न (दो)		4x2 = 08
अतिलघुउत्तरीय / वस्तुनिष्ठ			8x1= 08

योग = 80

आंतरिक अंक= 20

सहायक पुस्तकें–

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र

3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी

4. हिन्दी साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी

5. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह

6. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – डॉ0 नंद दुलारे बाजपेयी

① [signature]
② [signature]
③ [signature]
④

एम.ए. (हिन्दी) अनिवार्य प्रश्न पत्र– षष्ठ

द्वितीय सेमेस्टर — अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

मध्यकालीन काव्य

प्रस्तावना– मध्यकालीन काव्य (रीतिकाल) काव्य अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धड़कनों को समग्रता से समझने के लिए अनिवार्य है।

इस प्रश्न पत्र में 03 कवि पठनीय है उनकी कालजयी कृतियों का उल्लेख यहाँ किया गया है। द्रुतपाठ रूप में अध्ययन के लिए 05 कवि चयनित है। उनमें से लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेगें।

पाठ्य विषय– व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित 03 कवियों का अध्ययन किया जायेगा–

इकाई–01. सूरदास – व्याख्या– भ्रमरगीत सार संपा. – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – पद संख्या 01 से 10, 21, से 30, 51 से 60, 61 से 70 (कुल 40 पद)

आलोचना– सूर व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भ्रमरगीत की दार्शनिक पृष्ठभूमि, भक्ति भावना, वियोग वर्णन, उपालम्भ काव्य, सूर की गोपियाँ, सूर के उद्धव, काव्य कला।

इकाई–02. तुलसीदास – व्याख्या– रामचरित मानस (गीता प्रेस) सुन्दर काण्ड पूर्ण

आलोचना– तुलसीदास व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भक्ति भावना, महाकाव्यकत्व, लोक जीवन एवं संस्कृति, काव्य कला, लोकनायकत्व, दार्शनिकता, गीतितत्व, भाषा शैली, अंलकार योजना।

इकाई–03. – <u>बिहारीलाल</u> – व्याख्या–बिहारी रत्नाकर संपा.– जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर (प्रारंभिक 80 दोहे)

आलोचना– बिहारी व्यक्तित्व एवं कृतित्व, संयोग–वियोग निरूपण, सौन्दर्य चित्रण, बहुज्ञता, काव्य सौन्दर्य, काव्य कला, भाषा शैली, अलँकार योजना।

इकाई–04–. <u>निम्नांकित 05 कवियों का अध्ययन किया जाना है–</u>

1.घनानंद   2.केशवदास   3.देव   4.भूषण   5.पद्माकर

इकाई–05. <u>लघुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से।</u>

इकाई विभाजन		**अंक विभाजन**
इकाई 01–	सूरदास व्याख्या	08
	सूरदास आलोचना	08
इकाई 02–	तुलसीदास व्याख्या	08
	तुलसीदास आलोचना	08
इकाई 03–	बिहारी व्याख्या	08
	बिहारी आलोचना	08
इकाई 04–	लघुत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 100–150)(चार)	4X4 = 16
इकाई 05–	वस्तुनिष्ठ / लघुत्तरीय सम्पूर्ण पाठ्यक्रम(सोलह)	16X1 = 16

योग– 80 अंक
आंतरिक–20 अंक

<u>सहायक पुस्तकें–</u>

1.रीति कालीन तथ्य और चिन्तन – डॉ0 सरोजनी पाण्डेय

2.मध्य कालीन कवियों के काव्य के काव्य सिद्धांत– डॉ0 छबिनाथ त्रिपाठी

3.कृष्ण काव्य और सूर– डॉ0 प्रेमशंकर

4.गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य–डॉ0 रमेशचन्द्र शर्मा, डॉ0रूचि बाजपेयी

5.हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र

① शशि मिश्रा
② [illegible]
③ [illegible]
④

एम.ए. (हिन्दी) अनिवार्य प्रश्न पत्र– सप्तम

द्वितीय सेमेस्टर अंक योजना पूर्णांक : 100
मुख्य परीक्षा : 80
आंतरिक मूल्यांकन : 20

आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

प्रस्तावना– आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव–मन और मस्तिष्क के अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य का राग–विराग, तर्क–वितर्क तथा चिंतन–मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होता है, वैसा अन्य साहित्यांग में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ़–शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी व्यक्तिक एवं स्वातंत्र्य चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन की विकास–प्रकिया के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है।

पाठ्य विषय–

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित –

इकाई–01. उपन्यास –

व्याख्या– गोदान – प्रेमचंद्र

समीक्षा– प्रेमचंद्र व्यक्तित्व एवं कृतित्व, उपन्यास के तत्वों के आधार पर गोदान की समीक्षा।

इकाई–02. व्याख्या– मैला आंचल –फणीश्वरनाथ रेणु–

समीक्षा–फणीश्वरनाथ रेणु व्यक्तित्व एवं कृतित्व, उपन्यास के तत्वों के आधार पर गोदान की समीक्षा।

इकाई–03. – कहानी –

व्याख्या–

1.चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	–	उसने कहा था
2.जयशंकर प्रसाद	–	पुरस्कार
3.प्रेमचंद्र	–	मंत्र
4.निर्मल वर्मा	–	परिन्दे
5.उषा प्रियम्बदा	–	वापसी
6.रांगेय राघव	–	बिरादरी बाहर

समीक्षा–निर्धारित कहानीकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व, कहानी के तत्वों के आधार पर कहानियों की समीक्षा।

इकाई–04–. निम्नांकित उपन्यासकार एवं कहानीकार का संक्षिप्त अध्ययन होना है–

1. उपन्यासकार–

1.जैनेन्द्र 2.भगवतीचरण वर्मा 3.अमृत लाल नागर 4.मृणाल पाण्डेय

2. कहानीकार–

1. अज्ञेय 2. यशपाल 3. राजेन्द्र अवस्थी 4. अमरकांत

5. पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र

इकाई–05. लघुउत्तरीय एवं वस्तुनष्ठ प्रश्न अतिलघुउत्तरीय सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से।

इकाई विभाजन	अंक विभाजन
इकाई 01– गोदान व्याख्या	08 x1 = 8
गोदान समीक्षा	08 x1 = 8
इकाई 02– मैला आंचल व्याख्या	08 x1 = 8
मैला आंचल समीक्षा	08 x1 = 8
इकाई 03– निर्धारित कहानियों से व्याख्या	08 x1 = 8
निर्धारित कहानियों से समीक्षा	08 x1 = 8
इकाई 04– लघुत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा 100–150) चार	04x4 = 16
इकाई 05– वस्तुनिष्ठ/अतिलघुउत्तरीय प्रश्न (सोलह)	16x1 = 16

योग– 80 अंक
आंतरिक–20 अंक

सहायक पुस्तकें–

1.हिन्दी की कालजयी कहानियों में मानवीय मूल्य – डॉ0 राजेन्द्र सिंह चौहान

2.हिन्दी उपन्यासों की समीक्षा – डॉ0 जाधव, डॉ0 कुर्रे

3.हिन्दी उपन्यास : वस्तु एवं शिल्प – डॉ0 श्रद्धा उपाध्याय

4.हिन्दी कहानी का प्रगतिशील रवैया –डॉ0 बी0के0 सुब्रधाण्यन

5.हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 श्रीनिवास शर्मा

6.प्रेमचंद्र और अमृत लाल नागर के उपन्यासों में प्रतिफलित समाजिक चेतना – डॉ0 डी.एस.ठाकुर प्रकाशनःपंकज बुक्स पटपड़गंज दिल्ली

(1)
(2)
(3)
(4)

एम.ए. (हिन्दी) अनिवार्य प्रश्न पत्र– अष्टम

द्वितीय सेमेस्टर अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

हिन्दी भाषा

प्रस्तावना– भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप विविधरूपता तथा हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिन्दी के अध्येताओं के लिए अत्यंत उपयोगी है।

पाठ्य विषय–

इकाई–01. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं। भारतीय आर्य भाषाएं– पाली, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण

इकाई–02. हिन्दी का भौगोलिक विस्तार– हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली ब्रज और अवधी की विशेषताएं।

इकाई–03. –हिन्दी का भाषिक स्वरूप– हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खंड्य,खड्येतर हिन्दी शब्द रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना– लिंग, वचन और कारक– व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और किया रूप।

हिन्दी वाक्य– रचनाः पदक्रम और अन्विति।

इकाई–04–.हिन्दी के विविध रूप– संपर्क–भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, मातृभाषा, माध्यम–भाषा, संचार–भाषा, हिन्दी की सांविधानिक स्थिति।

हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ– आकड़ा–संसाधन और शब्द–संसाधन, वर्तनी–शोधक, मशीन अनुवाद, हिन्दी और मानकीकरण।

देवनागरी लिपि– विशेषताएं और मानकीकरण।

इकाई–05. लघुउत्तरीय एवं वस्तुनष्ठ प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यकम से।

इकाई विभाजन		अंक विभाजन
इकाई 01– आलोचनात्मक प्रश्न	01	16x1 = 16
इकाई 02– आलोचनात्मक प्रश्न	01	16x1 = 16
इकाई 03– आलोचनात्मक प्रश्न	01	16x1 = 16
इकाई 04– आलोचनात्मक प्रश्न	01	16x1 = 16
इकाई 05– लघुउत्तरीय प्रश्न (दो)		4x2 = 08
अतिलघुउत्तरीय / वस्तुनिष्ठ		8x1= 08
		योग = 80
		आंतरिक अंक= 20

सहायक पुस्तकें–

1.भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी

2.भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी – सुनिति कुमार चटर्जी

3.राष्ट्र हिन्दी : मेरे विचार – डॉ0 धर्मवीर चंदेल

4.हिन्दी भाषा एक अबाध प्रवाह – डॉ0 मीता, डॉ0 सुमन

5.भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – बी0डी0 शर्मा

① [signature]
② [signature]
③ [signature]
④